Man is simply, yet marvelously a Microcosm of both Earth and Universe.

The cosmic language and symphony of Mathematics is not merely a tool to symbolize quantities. Vortex-Based Mathematics (VBM) is a dynamic mathematical expression which shows the relationships and thus the "qualities of numbers" rather than the quantities; their true and New MIRACLE Value apposed to simply numerical values.

For those who may be wondering, "What in the world do these number patterns have to do with any real world applications, my answer would be EVERYTHING." The particular number groupings illustrated in this presentation will piece together for you as would a dynamic jig-saw-like puzzle pattern illustrating the perfect equilibrium of the cosmic continuity which explains the actual manner in which ALL energy flows.

Our base-ten decimal system is NOT man made, rather, it is the comprehensible organic symbolization of perfected intelligence naturally created by the ever flowing streams of energy of and from which our perceived physical (objective) reality is derived. The reemergence of this
 ancient understanding reemerged in the mind of a young man by the name of Marco Rodin, who amazingly, over a span of twenty years working with the symbol he envisioned was (through his collaborative brainstorming with various engineers and scientists) successful in rediscovering the ancient Kemite knowledge (Moorish Science) that numbers are much much more than simply a means by which to count items and/or units of measurement. This reemerging knowledge reconnects us (or Re-legions, or Religions us) back to our eliminatory inner-standing of the functionary aspects of the PRIMAL CONSCIENCE

NODES we have come to call NUMBER(S), and even more astonishing how the $1,2,4,8,7,5$ numerical pattern IS IN FACT the actual fabric of our Pphysical reality, the


Base Ethereal Plasmatic Energy of our universe, while even more dynamically, we through this Relegioning with the $\mathbf{T} \mathbf{R} \mathbf{U} \quad \mathbf{T}$ knowledge (knowing the facts of what was in the accent days of our forebears alleged, scribed or ledgered during our children's Pre elementary teachings of our reality and basic operational factors of ALL LAWS of Nature) we reemerge from our slumber to again reUNIT in this new dawn of collective common understandings; the reemerging Hive Mind of Man rooted in the core principles of LOVE, TRUTH,
OHANATAD

## PEACE, FREDOM AND JUSTICE.

As we keep in mind the actual and true


## Humerical tatile of a Doulling Ciremit

The number is on the left, horizontal addition result is on the right.

Notice how the
1,2,4,8,7,5
pattern indefinitely repeats. $256=4$ $1,024=7$
$1=1$
$2=2$
$4=4$
$8=8$ $16=7$ $32=5$ $64=1$ $128=2$ $512=8$ $2,048=5$ $4,096=1$ $8,192=2$ $16,384=4$
$32,768=8$ $65,536=7$
$131,072=5$
$262,144=1$
$524,288=2$ $1,048,576=4$ $2,097,152=8$ $4,194,304=7$ $8,388,608=5$ $16,777,216=1$ $33,554,432=2$ $67,108,864=4$ $134,217,728=8$ $268,435,456=7$ $536,870,912=5$ $1,073,741,824=1$ $2,147,483,648=2$ $4,294,967,296=4$ $8,589,934,592=8$

Physical Nature of the NODAL Sequence 1,2,4,8,7,5 we will come to appreciate how the nodes we refer to as the numbers 9,6 and 3 are the animating forces which reside outside of and are the CAUSE of all which occurs within our objective physical reality. This will help to serving as a means and mechanism by which to better comprehend the basic fabric of our own day to day reality and the practical (manipulative mental) means by which to effectuate positive change to recalibrate, reestablish and rebalance the proper Hermetic
(Tothnetic) energetic
frequencies required
to SAVEY-YOUR
Planet. Through this
newly rediscovered MATRIX of numeric Symbolization we are
 now again able to comprehend how this conscious, intelligent DATA we CREATIVELY sustain as (the feminine nurturing aspect) Nature does in fact expresses herself through a series of properties we express in the form of individualized digital (data) frequencies, each residing with their own totally unique coordinates within our ever fluctuating 3 \& 4D space time reality. In short, the numerical symmetry of our decimal system is actually the base expression of an Omnipotent Conscious Intelligence, a Trilateral dynamic illustrating and animating the nature of all REALITY.

The (NODE) 9 axis, you will come to understand, is in fact the true (subjective) Spiritual Causality of your dynamically digitized mental reality, possessing an axis and pivot (much like that of the top of the masonic prostrator) which causes the never decaying positive (+) and negative (-) polarity pulsation of 9's Nodal sub-sectors "3" and " 6 "'s animated spiraling matter with the polar number pair (3 and 6) perfectly synchronizing as mirror images of each other, both flowing in opposite directions, back,

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 | 215 | 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 39 | 96 | 69 | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  | 4 | 87 | 75 | 12 | 4 | 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | 5 | 57 | 84 | 42 | 15 |  | 8 | 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | 6.6 | 9 | 33 | 39 | 56 | 9 | 3 |  | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 75 | 51 | 2 | 48 | 875 | 51 | 2 | 4 | 8 | 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 8 | 842 | 21 | 5 | 78 | 84 | 21 | 5 | 7 | 8 | 42 | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 93 | 339 | 96 | 6 | 93 | 33 | 36 | 6 | 9 | 3 | 39 |  | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 1 | 24 | 487 | 75 | 5 | 24 | 48 | 75 | 5.1 | 2 | 4 | 87 | 5 |  | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 21 | 57 | 784 | 42 | 2 | 57 | 78 | 42 | 2 | 5 | 7 | 84 |  |  | 57 | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 96 | 6.9 | 933 | 39 | G 6 | 69 | 93 | 39 | 9 6 | 6 | 9 | 33 |  |  |  | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 487 | 75 | 12 | 248 | 87 | 5 | 12 | 24 | 87 | 5 | 1 | 2 | 48 | 7 | 5 | 12 | 2 | 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 57 | 784 | 42 | 15 | 578 | 84 | 2 | 15 | 57 | 84 | 2 | 1 | 5 | 78 | 4 | 2 |  | 57 | 8 | 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 6.6 | 933 | 39 | 6. 6 | 693 | 33 | 3 | 6.6 | 69 | 33 | 3 | 6 | 6 | 93 | 3 | 9 | 6.6 | 9 | 3 | 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 7 | 512 | 248 | 87 | 51 | 124 | 48 | 7 | 5.1 | 12 | 48 | 7 | 5 | , | 24 | 8 | 75 | 51 | 12 | 4 | 87 | 75 | 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 84 | 215 | 578 | 84 | 21 | 157 | 78 | 4 | 21 | 15 | 578 | 4 | 2 | 1 | 57 | 8 | 4 | 21 | 5 | 7 | 84 | 42 | 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9 | 33 | 966 | 693 | 33 | 96 | 66 | 93 | 3 | 96 | 6. | 93 | 3 | 9 | 6 | 69 | 3 | 3 | 96 | 6 | 9 |  |  |  | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 48 | 751 | 124 | 48 | 75 | 512 | 24 | 8 | 75 | 512 | 24 | 8 | 7 | 5 | 12 | 4 | 8 | 75 | 1 | 2 | 48 | 87 |  | 1 | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 8 | 421 | 157 | 78 | 42 | 215 | 57 | 8 | 42 | 21 | 57 | 8 | 4 | 2 | 15 | 7 | 8 | 42 | 21 | 5 | 78 |  | 42 | , |  | 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 396 | 6.9 | 93 | 39 | 966 | 69 | 33 | 39 | 96 | 69 | 33 | 3 | 9 | E. 6 | 9 | 3 | 39 | 6 | 6 | 93 | 33 | 39 | 6 |  | 9 | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 75 | 512 | 24 | 87 | 751 | 12 | 4 | 87 | 75 | 12 | 4 | 8 | 7 | 51 |  | 48 | 87 | 7 | 1 | 24 | 48 | 87 | 5 |  | 2 | 4 |  | 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 215 | 57 | 84 | 421 | 15 | 57 | 84 | 42 | 15 | 5.7 | 8 | 4 | 21 | 5 | 78 | 84 | 42 | 1 | 57 | 78 | 84 | 2 |  | 5 | 7 |  | 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 69 | 33 | 396 | 6. 6 | 9 | 33 | 39 | 65 | 9 | 3 | 3 | 96 | 6 | 9 | 33 | 3 | 6 | 69 | 93 | 33 | 3 | 6 | 6 | 9 |  | 33 | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 12 | 48 | 875 | 51 | 2 | 48 | 87 | 51 | 2 | 4 | 8 | 75 |  | 2 | 48 | 87 | 5 | 12 | 24 | 48 | 7 |  | , | 2 |  | 48 |  | 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 5 | 78 | 842 | 21 | 5 | 78 | 84 | 21 | 5 | 7 | 8 | 42 | 1 | 5 | 78 | 4 | 2 | 15 | 57 | 78 | 4 |  | 21 | 5 |  | 78 |  | 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 93 | 339 | 96 | 6 | 93 | 33 | 36 | 6 | 9 | 3 | 39 | 6 |  | 93 | 33 | 9 | 6.6 | 69 | 93 | 3 | , | 6 | 6 |  | 93 |  | 96 | 6 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 4 | 487 | 75 | 5 | 24 | 48 | 75 | 51 | 2 | 4 | 87 | 5 | 12 | 24 | 48 | 7 | 51 | 12 | 24 | 8 |  | 5 | 1 |  | 24 | 8 | 75 |  | 2 |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 84 | 42 | 1 | 57 | 78 | 42 | 21 | 5 | 7 | 84 | 2 | 15 | 57 | 88 | 4 | 21 | 15 | 57 | 8 |  | 2 | 1 |  | 57 | 8 | 42 |  | 5 | 7 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | 39 | 6 | 69 | 93 | 39 | 96 | 6. | 9 | 33 |  |  | 69 | 83 | 3 | 96 | 56 | 69 | 3 |  | 39 | 6 |  | 69 | 3 | 3 | 6 | 6 | 9 | 3 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | 7 | 5 | 12 | 24 | 87 | 5 | 1 | 2 | 48 |  | 5 | 12 | 24 | 8 | 75 | 51 | 12 | 2 |  | 87 | 5 |  | 12 | 4 | 87 | 5 | 1 | 2 | 48 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  | 2 | 15 | 57 | 84 | 2 | 1 | 5 | 78 | 4 | 2 | 15 | 57 | 8 | 42 | 21 | 15 | 7 |  | 4 | 2 |  | 15 | 7 | 84 |  | 1 | 5 | 78 | 4 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 6.6 | 6 | 33 | 3 | 6 | 6 | 93 | 3 | 9 | 6.6 | 9 | 3 | 39 | 96 | 6.6 | 9 |  | 33 | 9 |  | 6.6 | 9 | 33 |  | 6 | 6 | 93 | 3 | 9 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1. | 12 | 48 | 7 | 5 |  | 24 |  | 75 | 51 | 12 | 4 | 87 | 75 | 51 | 2 |  | 48 | 7 |  | 51 |  | 48 | 7 | 5 | , | 24 | 8 | 75 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 578 | 4 | 2 |  | 57 |  | 4 | 21 | 15 | 7 | 84 | 42 | 21 | 5 |  | 8 | 4 |  | 21 | 5 | 78 | 4 | 2 | 1 | 57 | 8 | 4 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 93 | 3 | 9 | 6 | 69 | 3 | 3 | 96 | 6 | 9 | 33 | 39 | 96 | 6 |  | 3 | 3 |  | 9 6 | 6. | 9 |  | 3 | 6 | 69 | 3 |  |  | 6 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 4 | 8 | 7 | 5 | 12 |  | 8 | 75 | 1 | 2 | 48 | 87 | 75 | 1 |  | 24 | 8 |  | 75 | 1 | 24 | 8 | 7 | 5 | 12 | 4 | 87 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 8 | 4 | 2 | 15 |  | 8 | 42 | 21 | 5 | 78 | 84 | 42 | 1 |  | 57 | 8 |  | 42 | 1 | 57 | 8 | 4 | 2 | 15 | 57 | 84 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 | 9 | 6. 6 | 9 | 3 | 39 | 86 | 6 | 93 | 33 | 39 | 6 |  | 9 | 3 |  | 39 | 6. | 69 |  | 3 | 9 | 6.6 | 9 | 3 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 7 | 51 |  | 48 | 87 | 75 | 1 | 24 | 48 | 87 | 5 |  | 12 | 4 |  | 87 | 5 | 12 | 24 | 8 | , | 51 | 2 |  |  |  |
|  |  |  | 0.1 | 7 | 9 | ${ }^{-8}$ |  |  |  |  |  |  |  |  | 21 |  | 78 | 84 | 42 | 1 | 57 |  | 84 | 2 |  | 15 | 7 |  | 84 | 2 | 15 |  | 8 | 4 | 21 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 4. | $17^{7}{ }^{5}$ | - |  |  |  |  |  |  |  | 6 | 6. |  | 33 | 39 | 6 | 69 |  | 33 | 3 |  | 6 | 9 |  | 33 |  | 6. |  | 3 | 3 | 9 |  |  |  |  |
|  |  | 56 | ${ }^{2} 5^{5}$ | $6^{1}$ |  | 3 $3^{3}$ | $3{ }_{8}{ }^{4} 7$ | $7{ }_{7}^{6}$ |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 | 48 | 87 | 5 | 12 |  | 48 | 7 |  | 1 | 2 |  | 48 | 7 | 51 |  | 4 | 8 |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ${ }^{2}{ }_{4}{ }^{6}{ }^{5}$ | $55^{5}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 5 | 78 | 84 | 2 |  |  | 78 | 4 |  | 21 | 5 |  | 78 | 4 | 21 |  | 7 |  |  |  |  |  |  |
|  | $74$ |  | $3_{3}^{3} 4_{4}^{4}$ | ${ }^{4}{ }^{9}$ | $7{ }^{5}$ | - $6 \frac{6}{2}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 93 |  | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | 93 |  | 96 | 6 |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 4 | $-\frac{3}{9} \frac{4}{2}$ | $\square^{4}{ }^{4} 5$ | +2 ${ }^{\circ}$ | \% ${ }^{4}$ |  | $\cdots$ | 8. |  | $12=$ | 3. |  |  |  |  |  |  |  | 48 | 7 | 51 |  | 24 | 8 |  | 7 |  |  | 24 |  | 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | $56{ }^{2}$ |  |  | * |  | ${ }_{2} 4^{1 / 3} / 3$ | $3 / 3$ | 91 | $5^{5} 4$ | 4 ? |  |  |  |  |  |  |  | 8 | 4 |  |  | 57 | 8 |  | 42 |  |  | 57 | 8 | 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | $6$ |  |  |  |  |  | $5$ |  | ${ }^{5} 5$ |  | $83$ |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  |  | 69 | 3 |  |  |  |  | 69 | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 5 | 5 $5.73 \times$ |  |  |  |  |  | 3.9 | $6{ }^{2}$ | 5 | ${ }_{4} 3_{3}+3$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 75 |  | 12 | 4 |  | 87 |  |  | 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 52 | 2. ${ }^{3}$ | 年 |  |  |  | ei | 1 | $16^{6}$ | 7 | ${ }^{\circ}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 21 |  | 57 |  | 84 | 2 |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | $6 / 4$ |  |  | T | \% | 4 19. | - ${ }^{-1}$ | 6 | $7{ }^{2}+3$ | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 6.6 |  |  |  | 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 7 P 9 715 | $52+5$ | 79, | 20, | , ${ }^{2} 9$ | - ${ }^{2}$ |  |  | $\frac{3}{9}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 |  | 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | - $\%$ |  | 1. 6.5 | 2 | $3^{3}$ | $4_{4} 4^{3} 3^{3}$ | $4 \sqrt{8}$ | $5 \cdot 3$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 5 | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

and forth from REALITY'S Central Axis 9. There is perfect symmetry wrapped around a single point coiling outwards the way that petals are wrapped in a rose, or a nautilus shell spirals outward as Pi.

As a key component of Rodin's research he intensively studied the major commonalities contained within all the world's most practiced religions and out of that 12 year exercise decided to utilize the term Abha, which for some translates as Father (and the prophet of The Bahai Faith) which when converted
 numerically in an effort to discover the true and precise mystical vibratory intonation of what (respectfully) Rodin refers to as The Most Great Name of God a LOGIC Sequence Appeared. Since the Bahai sacred
 scripture was originally expressed in ancient Moorish Dialect which used the Abjad numerical notation system, it was used for the revealing of this letter to number translation. This was a sacred system of allocating a unique numerical value to each letter of the 27 letters of the Abjad alphabet so that the true secret quantum mechanical physics could be decoded. What in turn was rediscovered was the NEW-MIRACLE or Numerical Value ( $A=1, b=2, h=5$,
 $\mathrm{a}=1$ ) $=$ " 9 ". This rediscovery was understood as being of
extreme importance in that everything he had read in both the Bahai scriptures and all of the other religious text studied always spoke of 9 as being THE Omni-potent Number. Next, when Rodin drew out a circle with nine on top and 1 through 8 going around the circle clockwise he discovered a very intriguing number system within this circle and intuitively knew he had stumbled upon something extremely profound. This circle with its hidden number sequence was an ancient "Symbol of Enlightenment" considered by many to be


## THE MATHEMATICAL FINGERPRINT OF GOD!

Follow along as the amazing properties of this symbol unveil themselves to you, put your pencil on number 1 and without picking up your pencil, move your pencil in a straight line to number 2 , then 4 , then across the center to 8 . Notice that you are doubling. So next should be 16 and it is, but $1+6=7$. So move your pencil to 7 . Then 16 doubled is 32 , but $3+2=5$. Now, move your pencil to 5 . Then 32 doubled is 64 and $6+4=10$ and $1+0=1$ revealing that you're now again back to 1 . Now, move the pencil across the center and back up to 1 . The significance of the Mayan Calendar like the number 64, completes one of cycle of infinity. After the last and only stable number

## A NUMERICAL EXPLANATION OF REALITY

" 9 " we will always arrive back at 1 as in $1+0(10)=1$. Then it continues its mathematical unfolding again with 64 doubled is 128 and $1+2+8=11$, then $1+1=2$, and so on and so on and so on for infinity.

You'll soon notice that you never get off this track as you keep doubling as you begin to recognize the infinity symbol forming underneath your pencil, creating an ever-repeating pattern of $1,2,4,8,7,5$. Amazingly, this number sequence stays intact as you half numbers as well. Start again at the 1, but this time, go backwards on the infinity symbol. Half of 1 is .5 , so move your pencil to the 5 .

Now, half of .5 is .25 , and $2+5=7$. So move your pencil to the 7 . And, half of .25 is .125 and $1+2+5=8$. So move to the 8 . Next half of .125 is .0625 and $0+6+2+5=13$ and $1+3=4$. So now go across to the 4. And, you will see half of .0625 is .03125 and $0+3+1+2+5=11$ and $1+1=2$. At which point we move to the 2 . Forever staying on the

route of $1,2,4,8,7,5$ even backwards. Replacing the decimal numbers with their power (for example $0.5=10, .25=100,0.125=1,000$ ) you'll see the powers line up horizontally.

There was still one more very important number pattern to be realized. On the MATHEMATICAL FINGERPRINT OF GOD notice how the 3,9 , and 6 never connect at the base. That is because it is a vector. The 1,2,4,8,7,5 is the third dimension while the oscillation between the 3 and 6, animating our fourth dimension, which is the higher dimensional electromagnetic field and 3,9 , and 6 ALWAYS occur together with the 9 as the control.


In fact, the ancient Asiatic symbol Yin/Yang is not a duality but rather a TRINITY.

This is because the 3 and 6 represent each side of the Yin/Yang and the 9 is the separating "S" curve, the actual Animating Shearing Factor separating while animating the Yin and Yang, or 3 from 6. Everything in reality is based on thirds. We think that the universe is based on dualities because we only see the effects not the cause!

When we say the oscillation between the 3 and 6 , what is meant is, that 3 doubled is 6 and 6 doubled is 12 , but $1+2=3$, and then 12 doubled is 24 , but $2+4=6$ and 24 doubled is 48 , but $4+8=12$ and $1+2=3$. So the 3 and 6 go back and forth within their own separated spiritual dimension. $\qquad$ This creates the all important subjective force, and cause of the ever pulsating arrhythmic fractal patterns ( $3,9,6,6,9,3,3,9$ ) of our physical reality.

When we lay out the number patterns on the 2D grid (as we have above on page two of this document) and place the $3,9,6,6,9,3,3,9$ number pattern in the center of the $1,2,4,8,7,5$ number pattern going forward and the $1,2,4,8,7,5$ number pattern going backwards. This continuation creates an amazingly perfect number map and numerical representation of the operative facilities of the fractal geometry we call reality,

## A SNAPSHOT OF DIVINE CONSCIOUSNESS SUSPENDED IN TIME

 AS SPACE. This MATHEMATICAL FINGERPRINT is a legend or blueprint for the torus and can be visualized in a 2D grig form in the illustration about two pages above.At this point you may notice that the 9 effectuates the omni dimension which is the higher flux emanation some metaphysicians may call SPRIT, PRANA OR BREATH OF LIFE which ALWAYS emanates from within THE CENTER of EVERY AND ANY ENTITY'S plasmatic magnetic field. The ENTITY " 9 " is the energy force being manifested as single possibilities and fractals of individualized momentary events constituting occurrence in our conscious' perceived physical matrix. 9 is the unique omni-functional linear singularity's vertical Primal Point of Unity which "NEVER CHANGES" i.e. all multiples of 9 equal 9 ; $9 \times 1=9,9 \times 2=18$, but $1+8=9,9 \times 3=27$, but $2+7=9$ because THE FORCE (as light) always emanates in a straight line from the center of mass outwardly from (what is commonly called) the nucleus of every atom, as well as from out of the positive singularity of Black Holes and Our Entire Universe as a whole!. . . . Which is itself simply a very minuscule potion of much, much larger realities encapsulated within even greater and greater Manifolds of more dynamic Vortices beyond the present limits of hue-mans' comprehension. It would service in simply accepting it as the complete,
revealing perfection without parity because it always equals itself. 9 is the so-called missing particle in the universe some call Dark Matter and others an aspect of Melanin. The number nine lines up with the center of the infinity symbol and it is from this center that the linear force of Spirit emanates from the center of The All. In fact, Spirit is the only thing in the universe that truly moves in a straight line. IT (Spirit) is the inertia aether that physicists postulated. It is the force of Spirit, apposed to gravity, which makes everything else warp and curve around it. And yes, . . . to one degree or another everything which exists contains Sprit. And again yes, most certainly our nurturer EARTH. If a concept has no sprit, it has no existence!

Perfect number patterns are actually created by this Spirit energy. Without Spirit the universe would become destitute and void. Spirit flow is the source of ALL Movement as well as the source of the non-decaying spin of the electron.

Numbers have temporal, spatial and volumetric qualities. For example, physics is the base ten number system. In other words, numbers have bilateral or mirror symmetry and line up in stratified layers of horizontal planes. This is the same as physics' parity.

The Angle of Angels: Gabri-EL, Mich-EL, Rapha-EL, etc.

There are nine simple multiplication series (one series for each discrete number 1-9) in Vortex-Based Mathematics. These multiplication series are based upon reducing all products to single digits via horizontal addition forming also meaningful angular number sequences.

Another NERDY yet very magical aspect of reality is that there are three polar number pairs; 1 and 8 (equaling 9), 2 and 7 (again equaling 9) and 4 and 5. For example, multiples of 4 are $1 \times 4=4,2 \times 4=8,3 \times 4=12$ but $1+2=3,4 \times 4=16$ but $1+6=7,5 \times 4=20$ but $2+0=2,6 \times 4=24$ but $2+4=6,7 \times 4=28$ but $2+8=10$ and $1+0=1,8 \times 4=32$ but $3+2=5,9 \times 4=36$ but $3+6=9$. So multiples of 4 equal $4,8,3,7,2,6,1,5$ and multiples of 5 , the polar opposite of 4 , are $(5,1,6,2,7,3,8,4)$. Each pair forms number sequences that are identical but in opposing directions. So, if you take the multiples of 5 and look at them running backwards they are the same as the multiples of 4 running forwards. In exactly the same way the multiplication series for the polar pair [1,8] is: $(1,2,3,4,5,6,7,8)$ and ( $8,7,6,5,4,3,2,1$ ) for the number 1 and the number 8 respectively. The multiplication series for the polar pair [2,7] is: $(2,4,6,8,1,3,5,7)$ and $(7,5,3,1,8,6,4,2)$.

This ever imaging digital string of geometric fractals is our reality!

The physical aspect of nature's energetic and productive expression is feminine, as in "Mother Nature". The non-objective incomprehensible reality of the ALL's causal state is its Polar-Patriarchal Nature.

## Everything emanates from a singular point outwards, Originating and Ending in ONE omni-diminutional Indivisible Singularity.

## THE ALPHA \& THE OMEGA

The following is (most likely) what a section of our Universe Really Looks Like

## CRYSTALIZED CONSCIOUSNESS

Manifested in its physical energetic form in a manner, similar in nature to that of the electrical aspects of THOUGHT WAVES.


## "ALL IS MIND"

When contemplating that thought consider: The 70 El-ders initiated by Moses and Aron were symbolical of the 72 Divine Years;(that's 70 Elders + Moses and Aron = 72) = The Magical Number " 9 ", which is the period of the Sun passing the 12 signs of the Zodiac, or 25,920 years ( $2+5+9+2+0=18$ or $1+8=9$ ). And, in the Holy Writ it states further that they (the 70 Elders and Moses and Aron) saw the God of Israel (Isis - Ra - EI), which is historically the (life giving) Sun; and the 72 Elders representing the Great (Celestial) Cycle, or 72 times 360 common years equaling 25,920 years... again 9 .

# A COMPARISON OF THE HARMONY OF ESOTERIC NUMBERS AND ESOTERIC CYCLES IN REFERENCE TO TIME AND MOTION 

The Earth's Pole moves 1 degree in $\qquad$ 7,200 Common Years (7+2=9)
And also moves once round in $\qquad$ 7,200 Divine Years (7+2=9)
The Sun moves through space at a rate of 108,000 Miles Per Hour (1+8=9)

In one hour the Earth, by its revolution on its axis, causes 15 degrees of the Zodiac to rise, culminate and set, while the Pole moves 15 degrees of its orbit in 108,000 Common Years. Th Earth, by its diurnal motion, causes the 360 degrees of the Zodiac to rise and set in (a day) 24 Hours, and in this time the Sun travels through space 2,592,000 Miles, while a Polar Day of 360 degrees is $2,592,000$, and the Sun moves round its orbit in 25,920 Years. And in suit, the 24 or $2+4=6$ as does $1+5$. [Remembering The Vortex 3,6,9]

NOTE THAT THE SUM OF THE DIGITS IN EACH NUMBER FACTORS ABOVE IS AGAIN THE MAGIC NODE "9"

WHEN WE INVESTIGATE THE TRUE REIGNING CYCLES OF (ANGLES) THE HEAVENLY ANGLIC HOSTS, WE FIND A SIMILAR OCCURRENCE OF SEQUENCING; HOWEVER IN YOUR STUDY OF THE RULING ANGELIC MUNICIPALITIES YOU WILL FIND INTERESTINGLY THAT THE NUMBERS WHICH WILL CONTINUE TO BE REFLECTED ARE THE HOLY TRIAD, THE TRINITY NODE "3" AND ITS BALANCED POLAR DUALITY " 6 ". ENTERING THE PHYSICAL REALM

When it comes to the Mater-i-El world it its their (at the resident/resonate node 4)

that
CONSCIOUSNESS Takes Root into the (MATER-EL) Material World and vibrations we perceive as sound and light (vectors) begin their (or its) interlacing to manifest the vibrational quality we value as Formmmmmmmmmm. THE CUBE . . . The first base New Miracle of Physical Value, or completed component of physical reality is Formed.

## " 4 " is A LIVING Principle Dynamic of Thought.



In ones study of The SEPHER YETZIRAH/The Book of Formation it becomes clear that it is not simply of value what is written there, but even more so how the spell(s) are articulated. An example of which is found in the cipher of the 13th Sephira which shows how the text is constructed, in which the text as a key in fact shows the body of the treatise in a very unique and particular formation, one in which the Teacher begins to

10. Thus Chapter " 1 " Paragraph " 4 " represents the sum total of the whole numbers 1 thru 4 or $1+2+3+4=10$. So as not to lose anyone, l'll lay out material aspects of the reflective properties regarding numbers 1 through 4 which may aid in bridging the gap between how numbers are viewed and how they may be viewed.
formally admonished the student on the importance of the node or number " 10 " in the 4th Paragraph of Chapter1. And is expressed in manner to illustrate that the expression of all material consciousness is calibrated through the number


- The Number 1 is called or resonates the vibratory frequency called Yud or Yod
- $\quad$ The Number 2 is called or resonates the vibratory frequency called He
- The Number 3 is called or resonates the vibratory frequency called Waw or Vau
- The Number 4 is called or resonates the vibratory frequency called Heh - Ha


## YHWA

The spiritual conscious life forces which when brought together become the spark of life

NOW THAT YOU'VE HAD OPPORTUNITY TO REVIEW THE MATERIAL CONTAINED IN THIS BRIEF OVERVIEW, REVIEWING THE TWO VIDEOS ENTITLED: (1) "UNDERSTANDING THE RELEVANCE OF FREQUENCY" AND (2) "UNDERSTANDING THE RELEVANCE OF FRACTALS" LOCATED ON THE DIRECTORY'S MIND PAGE WILL UNQUESTIONABLY AID IN BRINGING ALL OF THE ABOVE INTO PTOPER PERSPECTIVE.


If you've not yet viewed the two videos mentioned above, you may find them on the page located HERE.

Although this FREE Study Guide is not under any condition to be sold, it may most certainly be freely distributed for educational purposes.

